भारत सरकार, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग के तत्वावधान में महाराष्ट्र स्थित नराकास सदस्य सचिवों के लिए एचपीसीएल द्वारा आयोजित ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम

04 मई, 2016

प्रिय साथियों,

भारत सरकार, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग के तत्वावधान में महाराष्ट्र स्थित नराकास सदस्य सचिवों के लिए दिनांक 29 अप्रैल 2016 को एचपीसीएल द्वारा बांद्रा प्रशिक्षण केंद्र मुंबई में ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उदघाटन निदेशक-तकनीकी/कार्यान्वयन, राजभाषा विभाग, नई दिल्ली श्री हरिन्द्र कुमार ने किया। इस अवसर पर निदेशक-तकनीकी श्री नागेंद्र सिंह, उपनिदेशक-कार्यान्वयन (पश्चिम क्षेत्र) डॉ॰ सुनीता यादव तथा सहायक निदेशक कार्यान्वयन (पश्चिम क्षेत्र) सुश्री साधना त्रिपाठी भी उपस्थित थी। महाराष्ट्र स्थित नराकास सदस्यों सचिवों सहित कुल 35 प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ पारंपरिक रुप से एचपी गीत तथा सभी मान्यवरों के करकमलों से दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। सचिव-मुंबई उपक्रम नराकास श्री राम विचार यादव ने उपस्थित सभी का हार्दिक स्वागत किया। उन्होंने कहा कि हमारे लिए यह बड़े ही सौभाग्य की बात है कि मुंबई (उपक्रम) नराकास के प्रारंभकाल वर्ष 1983 से ही हमारे अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक इस समिति के अध्यक्ष रहे है और वर्तमान में 1 अप्रैल 2016 से श्री मुकेश कुमार सुराणा अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक एचपीसीएल इस समिति के अध्यक्ष हैं। हमारे लिए गौरव की बात है कि राजभाषा विभाग ने ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजन करने के लिए एचपीसीएल को चुना। मुंबई टॉलिक के सदस्य सचिव के रूप में उन्होंने अपना अनुभव का उल्लेख किया तथा राजभाषा कार्यान्वयन में “चार प” का मूलमंत्र अपनाने को कहा।

उपनिदेशक-कार्यान्वयन (पश्चिम क्षेत्र) डॉ॰ सुनीता यादव ने कार्यक्रम की रुपरेखा के बारे में सभी को बताया। उन्होंने कहा कि हालांकि मुंबई स्थित अधिकांश नराकास सदस्यों ने

ऑनलाइन पंजीकरण करा लिया है तथापि, कई नराकास का पंजीकरण एवं ऑनलाइन रिपोर्ट प्रस्तुति अभी तक बाकी है। उन्होंने कहा कि ऑनलाइन रिपोर्ट प्रस्तुति में हो रही कठिनाइयों का निराकरण ही आज का यह प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य है।

निदेशक तकनीकी श्री नागेंद्र सिंह ने बताया कि ऑनलाइन रिपोर्ट भरना बहुत ही आसान है और इसे यूजर फ्रेंडली बनाया गया है ताकि आसानी से भरा जा सके।

अपने अध्यक्षीय संबोधन में निदेशक तकनीकी/ कार्यान्वयन श्री हरिन्द्र कुमार ने ऑनलाइन जानकारी का महत्व बताया और कहा कि देश भर में कई नराकास होने के कारण सुनिर्दिष्ट जानकारी प्रदान करने में कठिनाई होती है। ऑनलाइन रिपोर्ट राजभाषा विभाग को प्राप्त होने पर सभी जानकारी सहज रूप से समेकित तथा संग्रहीत की जा सकती है। श्री हरिन्द्र कुमार ने निम्न बातों पर जोर दिया,

- प्रत्येक नराकास द्वारा बैठक की कार्यसूची, कार्यवृत्त तथा सदस्यों की उपस्थिति का विवरण ऑनलाइन प्रस्तुत करना अनिवार्य है।
- इससे नराकास गतिविधियों की मॉनीटरिंग आसान होगी तथा अनुपस्थित सदस्यों को ऑटो जनरेटेड ई-मेल भेजने का प्रावधान किया जा सकेगा।
- इससे नराकास के लिए सदस्यों कार्यालयों /नराकासों को पुरस्कार प्रदान करने के लिए मूल्यांकन करना आसान होगा।
- संसदीय समिति द्वारा समय-समय पर मांगी गई जानकारी सहजता से उपलब्ध कराई जा सकेगी।

कार्यक्रम में उपस्थित राजभाषा विभाग के प्रतिनिधियों तथा महाराष्ट्र स्थित नराकास के सभी सदस्य सचिवों के समक्ष एचपीसीएल द्वारा संचालित मुंबई (उपक्रम) नराकास की गतिविधियों से संबंधित प्रस्तुतीकरण उप प्रबंधक राजभाषा-विपणन, श्री सलीम खान ने किया। मुंबई उपक्रम नराकास का परिचय, गतिविधियां, बैठकों का आयोजन, नराकास सदस्यों से संप्रेषण, उपलब्धियां आदि के बारे में सभी को अवगत कराया गया। मुंबई (उपक्रम) नराकास के प्रयासों तथा गतिविधियों की सभी ने सराहना की।

तत्पश्चात राजभाषा विभाग द्वारा सभी सदस्य सचिवों को ऑनलाइन टॉलिक रिपोर्ट प्रस्तुति संबन्धित प्रशिक्षण दिया गया।

निदेशक-तकनीकी, श्री नागेंद्र सिंह तथा निदेशक-तकनीकी/कार्यान्वयन, श्री हरिन्द्र कुमार ने सभी को प्रशिक्षण के माध्यम से विस्तारपूर्वक समझाया कि किस तरह से संबन्धित नराकास का ऑनलाइन पंजीकरण करना है, रिपोर्ट/कार्यवृत्त/गतिविधियां भरना है एवं राजभाषा विभाग को ऑनलाइन सबमिट करना है।

कार्यक्रम के दूसरे सत्र में विचार-विमर्श कार्यक्रम रखा गया तथा ऑनलाइन रिपोर्ट प्रस्तुति में हो रही असुविधाओं का निराकरण किया गया। इस दौरान प्रमुख-राजभाषा तथा सदस्य-सचिव, नराकास मुंबई (उपक्रम) श्री राम विचार यादव ने सुझाव दिया कि पूरे देश में सभी नराकास के लेटरहेड तथा बैनर में एकरूपता होनी चाहिए। उन्होंने प्रस्ताव दिया कि इसमें एक तरफ सरकारी चिन्ह अशोकस्तंभ तथा दूसरे तरफ आयोजक संस्था का लोगो होनी चाहिए जिससे निदेशक तकनीकी/कार्यान्वयन श्री हरिन्द्र कुमार ने सहमती व्यक्त की। श्री राम विचार यादव ने राजभाषा विभाग द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम के अनुसार एचपीसीएल में किस तरह से वार्षिक कार्ययोजना, जांच बिंदु बनाया जाता है तथा उत्तरदातित्व निर्धारित किया जाता है से सभी को अवगत कराया।

समापन सत्र में प्रतिभागियों ने इस सुंदर कार्यक्रम का आयोजन के लिए एचपीसीएल के प्रति धन्यवाद ज्ञापन किया। श्री हरिन्द्र कुमार ने भी एचपीसीएल के प्रति आभार व्यक्त किया और हमारी आगंतुक पुस्तिका में इस प्रकार की टिप्पणी की "एचपीसीएल के श्री राम विचार यादव जी व उनकी टीम के सहयोग से आयोजन सफल रहा। सहयोग व आयोजन के लिए धन्यवाद। आशा है भविष्य में भी हिन्दी के प्रचार प्रसार के लिए एचपीसीएल का निरंतर सहयोग मिलता रहेगा।"

श्री रामविचार यादव ने उपस्थित राजभाषा विभाग के प्रतिनिधियों तथा सभी सदस्य सचिवों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का आयोजन में उप प्रबंधक राजभाषा पश्चिमाञ्चल सुश्री आरती जाड़िया एवं वरिष्ठ राजभाषा सहायक श्री सतीश पाखरे का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

सादर,

टीम जन संपर्क निगम संचार